ISSN 0973-144X

भा.ला.अनु.सं.
लाख समाचार पत्रिका
I.L.R.I.
Lac NEWSLETTER

वर्ष - 9 (1) जनवरी-मार्च, 2005 Vol. - 9 (1) JAN.-MAR., 2005

निदेशक की कलम से... From the Director's Desk

प्राकृतिक राल-लाख के गुण

MERITS OF NATURAL RESIN-LAC

पौधों एंव कीटों के सम्पर्क से बना उत्पाद लाख एक नवीकरण के योग्य स्रोत है । इसके तीन प्रमुख घटकों राल, मोम एंव रंजक (रंग) में राल बहुत बड़ा भाग (छिली लाख का 68%) है। इस प्राकृतिक राल में विभिन्न उपयोगों के लिए बहुआयामी भौतिक रसायनिक गुण है । इसके कुछ गुण इस प्रकार है (i) जैव अवकर्षणीय, गंधहीन, पारिस्थितिकी के अनुकूल एंव हानिरहित (ii) सामान्य घोलकों जैसे अल्कोहल मे घुलनशील एंव इसे जल में भी घुलनशील बनाया जा सकता है। (iii) विभिन्न प्रकार की सतहों जैसे लकड़ी, धातु, चमड़ा, हस्तशिल्प इत्यादि की वस्तुओं के लिये एक बेहतर सतह लेपन सामग्री (iv) सराहनीय आसंजन क्षमता एवं एक अच्छी बधंन सामग्री (v) गर्म करने से पिघलता है, इसलिये इसे सांचे में ढाला जा सकता है। (vi) यह एक बहुपयोगी सामग्री है, इसके सतह लेपन एवं विद्युतरोधी गुणों में सुधार के लिए इसका रसायनिक/कृत्रिम राल के साथ रूपान्तरण किया जा सकता है। (vii) औषधिय उपयोग के गुणों के कारण आयुर्वैदिक, युनानी एंव जड़ी बूटियों के मिश्रण में उपयोग किया जा सकता है। (viii) सौन्दर्य प्रसाधन, औषधि एंव जैव सक्रिय यौगिकों में उपयोग हेतु उत्कृष्ट रसायनों का एक अच्छा स्रोत है। यह एक कार्बनिक उत्पाद है तथा भारत के पूर्व, दक्षिण पूर्व एंव उत्तर पूर्व के साथ साथ दक्षिण एशिया उप-पर्वतीय क्षेत्रों मे रहने वाले लोगों के जीवन यापन का स्रोत है इसलिए उत्पाद के गुणों के आधार पर इसका उपयोग करने, बढ़ावा देने तथा लोगों में प्रचारित करने की जरूरत है ।

विभिन्न उपयोगों की क्षमता के अतिरिक्त इसमें उत्पादन की भी अद्भुत शक्ति है। सीमान्त,अवक्रिमत, मध्यम और उपराऊँ भूमि पर उगे लाख परिपालकों पर उपजाने वाला लाख

Lac-a product of plant and insect interaction is a renewable source. Of the three constituents *i.e.* resin, wax and dye that it contains, the resin is the major fraction (about 68% of clude lac). This natural resin has versatile physico-chemical properties that merits several applications. Some of these merits are: i) bio-degradable, odourless, hence, eco-friendly and harmless, ii) soluble in common solvents like alcohol and can be made water soluble too, iii) a very good surface coating material for different surfaces like wood, metal, leather, handicrafts etc, iv) possesses appreciable adhesion strength, is a good binding material, v) melts on heating, thus, could be used for moulding purposes, vi) being poly-functional material, can be modified with chemicals/synthetic resins for improvement of surface coating, insulation properties, viii) having medicinal value, used in *ayurvedic*, *unani* and herbal compositions, ix) is a good source of fine chemicals for use in perfumery, pharmaceutical and bio-active compounds. Being a product of organic origin and a source of livelihood of many inhabiting sub-hilly tracts of east, south-east and north-east india as also south-east Asia, the product needs popularization, support and use based on merits it possesses.

Besides merits in various applications, it has tremendous strengths in production as well. Grown on marginal and degraded midlands and uplands lac host trees are a source of additional income, employment

इस अंक में ....

अनुसंधान उपलब्धियाँ
* कम्पोजिट बोर्ड के आग प्रतिरोधक गुण
* पलास के फूलों से नारंगी रंग का निष्कर्षण
* एक नया कुसमी लाख परिपालक

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण
* प्रशिक्षण

प्रचार एवं प्रोत्साहन गतिविधियाँ
* सम्पर्क
* आगन्तुक
* प्रदर्शनी
* आकाशवाणी वार्ता
* प्रकाशन

वैयक्तिक
* सम्मान / पुरस्कार
* सेवा निवृति
* स्थानान्तरण
* मानव संसाधन विकास

विविध
* संगोष्ठी/कार्याशाला मे सहभागिता
* गुणवता जांच प्रयोगशाला
* स्थानीय संगोष्ठी
* आधारभूत ढाँचा विकास

घटनाक्रम
* कर्मचारी अनुसंधान परिषद् की बैठक
* गणतंत्र दिवस समारोह
* अनुसंधान परामर्शदात्री समिति की बैठक
* नव वर्ष मिलन समारोह

In this issue....

Research Highlights
- Fire resistance properties of composite board
- Extraction of orange dye from *palas* flowers
- A new *kusmi* lac host

Transfer of Technology
- Training

Publicity & Promotional Activities
- Linkage
- Visitors
- Exhibitions
- Radio talks
- Publications

Personalia
- Honours/Awards
- Retirement
- Transfers
- HRD

Miscellanea
- Seminars/workshops attended
- Quality Testing Laboratory
- In-house seminars
- Infra-structure development

Events
- SRC Meeting
- Republic Day Celebration
- RAC Meeting
- New Year get-together

अतिरिक्त आमदनी, रोजगार एंव पारिस्थितिकी संतुलन का स्रोत है । यह फसल सूखे जैसी विपरीत जलवायु में भी होती है जिसमें वर्षाश्रित पारिस्थितिकी की मूल्यवान वनस्पति एंव जीव जन्तुओं के अतिरिक्त आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण लाख कीटों का सरंक्षण होता है। बहुत ही सामान्य निवेश जैसे पानी, उर्वरक, श्रम, कीटनाशी इत्यादि से ही होने वाली लाख की खेती आर्थिक विकास के लिए पारिस्थितिकी की ओर एक प्रभावी पहल है ।

(बंगाली बाबू)

and ecological maintenance. The crop also grows in adverse climate like drought, conserving economically important lac insects besides valuable fauna and flora of rainfed ecology. Capable of sustaining on meagre inputs like water, fertilizer, labour, pesticides etc, lac cultivation is one of the effective ecological approach for economic development.

(Bangali Baboo)

अनुसंधान उपलब्धियाँ RESEARCH ACHIEVEMENTS

अरहर की डंडियों के साथ यष्टिलाख (छिली लाख) का उपयोग कर आग प्रतिरोधी कम्पोजिट बोर्ड का निर्माण

चूर्ण बनाई गई अरहर की डंडियों के साथ यष्टिलाख (छिली लाख) को बंधन सामग्री के रूप मे उपयोग कर बनाये गये कम्पोजिट बोर्ड को छोटी लौ (बी.एस. 476 : भाग - 5,1979) द्वारा प्रतिरोध की जाँच के लिये जलाने पर देखा गया कि यह आसानी से जलने योग्य नहीं है।

आग में कम्पोजिट बोर्ड के प्रर्दशन मे सुधार के लिये अलग-अलग लौ विलम्बक संकेन्द्रण (0 से 15 %) का समावेश कर प्रज्वलनीय गुणों जैसे जलने का समय, जलने के बाद वजन में हानि का प्रतिशत एंव जले हुये क्षेत्र का अध्ययन किया गया। यह देखा गया कि कुछ निश्चित समय के बाद वजन में लगभग 7% कमी के साथ लौ की अवधि एंव जलने का समय घटकर शून्य हो जाता है, जिससे संकेत मिलता है कि यष्टिलाख का उपयोग कर बने कम्पोजिट बोर्ड में अच्छे आग प्रतिरोधक गुण है ।

(के.पी. साव, प्र.वै,ला.प्र. एवं उ.वि. विभाग)

Fire resistance properties of composite board from arhar sticks using sticklac (scraped lac)

Test for resistance to ignition by small flaming (BS 476: Part 5, 1979) indicated that the composite board prepared from pulverized *arhar* sticks using sticklac (scraped lac) as binding material was 'Not easily ignitable'.

To improve the performance of the composite board when in fire, the flammability properties such as the time of flaming, after-glow, percentage loss in weight and charred area were studied incorporating varying concentrations (0 to 15%) of a flame retardant. It was observed that at certain concentrations, the duration of flaming and after-glow reduced to zero with the percentage loss in weight around 7%; indicating that the composite board using sticklac attained good fire resistance properties.

(KP Sao, PS, LP&PD Division)

पलास (ब्युटिया मोनोस्पर्मा) के फूलों से नारंगी रंजक का निष्कर्षण

पलास के फूल फरवरी में निकलते हैं तथा इनका आकार लगभग 2.4 से.मी. व्यास का होता है । पलास के फूल बिना पत्तों की शाखाओं पर बहुत घने होते हैं । बसन्त ऋतु में जब समुचा क्षेत्र ढ़ाक के पेड़ों पर बिना पत्तों के फूलों से लदा होता है तो नांरगी एंव लाल रंग का एक बेहद सुन्दर दृश्य प्रस्तुत करता है। वृक्ष के ऊपरी भाग में ये फूल एक शानदार छतरी का निर्माण कर लेते हैं जिससे दूर से लगता है कि आग की लपट हो । ढ़ाक के फूलों से नांरगी रंग निकलता है एंव विभिन्न निष्कर्षण तकनीकों जैसे भिगोकर मुलायम करना, ठंडे अन्तस्रवन एंव उष्ण निष्कर्षण इत्यादि द्वारा रंग के अधिकतम अंश को निकालने के प्रयास किये गये । ठंडे अन्तस्रवण की तकनीक इस्तेमाल कर ढ़ाक के 500 ग्राम ताजे फूलों से 10 ग्राम रंग प्राप्त किया गया । छाया में सुखाये गये फूलों का उपयोग करने पर रंग की मात्र में बढोतरी हुई । खेतों में गिरे एंव सूखे फूलों से रंग के अंश को निकालने के प्रयोग जारी हैं ।

(संजय श्रीवास्तव, वैज्ञानिक, ला.प्र. एवं उ.वि. विभाग)

Palas flower and extracted dye

Extraction of orange dye from the flowers of Butea monosperma (palas)

Palas flowers start appearing in February and stay on nearly up to the end of April. The size is nearly 2 to 4 cm in diameter. The flowers tend to be densely crowded on leafless branches. These give the plant a beautiful look despite being leafless during spring season when entire terrain having *Dhak* trees wears a kind of exquisite orange and red hue. The flowers form a gorgeous canopy on the upper portion of the tree, giving the appearance of a flame from a distance. The *Dhak* flowers yield an orange dye and efforts were made to extract maximum dye content using different extraction techniques *e.g.* maceration, cold percolation and hot extraction etc.

10.0 g orange dye was obtained from 500g of fresh *Dhak* flowers by using cold percolation method of extraction. Yield of the dye content was further improved by taking shade dried flowers. The experiment is continuing to extract the dye content from the flowers dropped and dried in the farm itself.

(Sanjay Srivastava, Scientist, LP&PD Division)

आयोजित प्रशिक्षण

पुरूलिया -1 प्रखण्ड के अन्तर्गत गोसाईडीह ग्राम में लाख की खेती के वैज्ञानिक पहलू पर दिनांक 12.01.05 को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डा. सोमेन घोषाल, प्रभारी क्षे. फि. अनु. के. पुरूलिया के अतिरिक्त, डा. प्रणय कुमार, अध्यक्ष ला.उ. विभाग; डॉ. कौशल किशोर कुमार, अध्यक्ष, प्रौ.ह. विभाग एंव डॉ. अनिल कुमार जायसवाल,वरीय वैज्ञानिक इत्यादि ने प्रशिक्षण में योगदान दिया। कुछ बाहरी सदस्यों जैसे श्री टी. आर. सोरेन, एल.डी.ओ; श्री के. महतो, स्थानीय ग्रामीण प्रतिनिधि; श्री बी. दास, लाख व्यापार विशेषज्ञ ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम मे भाग लिया। लाख जैविकी, लाख की खेती / संरक्षण तथा कुसमी / रंगीनी लाख की खेती के अन्य पहलूओं की विस्तृत चर्चा की गई । लाख पर एक विडिओ फिल्म दिखाई गई तथा प्रशिक्षार्थिओं के बीच लाख की खेती से संबंधित साहित्य वितरित किया गया । छिड़काव, संचारण के समय कृत्रिम जाली का उपयेाग, इत्यादी का प्रदर्शन किया गया। दस महिलाओं समेत लगभग साठ किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

Women trainees under one-week training programme

प्रतिवेदन की अवधि के दौरान लाख उत्पाद, प्रसंस्करण एवं उपयोग पर निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये :

प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रतिभागी	ग्राम/स्थान	आयोजक संस्था	अवधि
लाख की खेती पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण	12+1	भा. ला. अनु. स.	आत्मा, प. सिंहभूम एंव स्वत: स्वशक्ति राँची एंव स्वत:	24 से 29-01-05
	29+1	तदैव	वन विभाग, उत्तर बस्तर, महासमुंद	21 से 25-02-05
	32+35	तदैव	वन. विभाग, उत्तर प्रदेश एंव	07 से 12-03-05
	55+1	तदैव	वन. विभाग, भानुप्रतापपूर	14 से 19-03-05
खेत में प्रशिक्षण	45	मंगोबांध, राँची	सीडस, मंगोबांध, राँची	01-01-05
	35	डोकाड, राँची	ग्राम जन जागृति मंच, राँची	03-02-05
	83	सोगोड, राँची	ग्राम जन जागृति मंच, राँची	11-02-05
	50	वन अनुसधांन केन्द्र, गोधरा	वन विभाग, गुजरात	02-02-05
	50	वगई, डांग	वन विभाग, गुजरात	03-02-05
	50	वासन, गांधी नगर	वन विभाग, गुजरात	05-02-05
	2740	बरघाट, कनारी धानौरा, पिपरिया, लखनादॉन	जिला पंचायत, सिवनी	22-02-05 से 27-02-05
	55	खमार	प्रदान	16-03-05
	94	हैचरी हॉल, लातेहार	उपायुक्त, लातेहार	29 से 31-03-05
	110	केवडी, छोटा उदेपुर	गुजरात राज्य वन विकास निगम, वडोदरा	30 से 31-3-05
एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम	25	भा. ला. अनु. स.	जे. डब्ल्यु. डी. एस., राँची	22-01-05
	25	भा. ला. अनु. स.	जे. डब्ल्यु. डी. एस., राँची	29-01-05
	39	भा. ला. अनु. स.	राम कृष्ण मिशन, राँची	29-01-05
	15	भा. ला. अनु. स.	ए.एफ.पी.आर. ओ., राँची	03 से 04-02-05
	19	भा. ला. अनु. स.	ग्रामीण विकास ट्रस्ट, राँची	18-02-05
	32	भा. ला. अनु. स.	सी. ए. एस. ए., सरगुजा, छतीसगढ़	02-03-05
	16	भा. ला. अनु. स.	गान्धी सेवा आश्रम, अम्बिकापुर	02-03-05
	36	भा. ला. अनु. स.	नावार्ड, राँची	16-03-05
	33	भा. ला. अनु. स.	राम कृष्ण मिशन, राँची	18-03-05
	55	भा. ला. अनु. स.	ग्राम जागृति मंच	31-03-05

गैस्केट शेलैक कम्पाउंड की प्रौद्योगिकी को सर्वश्री पॉलीजेल टेक्नोलॉजी (आई) प्राईवेट लिमिटेड चेम्बुर (ई) मुम्बई को 8-11 मार्च 2005 को हस्तांतरित किया गया ।

(ए.के. जायसवाल, व.वै., प्रौ.हं.वि.)

Trainings Conducted

A training programme on scientific approaches of lac cultivation was organized at Gosaindih village under Purulia-I Block on 12.1.2005 and others besides Dr S Ghosal, Incharge RFRS, Purulia; Dr P. Kumar, Head, LPD; Dr KK Kumar, Head, TOT and Dr AK Jaiswal contributed to the training programme. Some outside members viz. Mr T.R. Soren, LDO; Mr K. Mahato, local elected village member; Mr B. Das, lac trade expert also attended the training programme and addressed the audience. Lac biology, lac cultivation/protection and other aspects of *kusmi/rangeeni* lac cultivation were dealt in detail. A video film show on lac was also arranged and literature on lac cultivation was distributed among the trainees. Demonstration of spraying, use of synthetic nets in inoculation, etc. were also given. About 60 farmers including 10 women participated in the training programme.

Following training programmes on lac cultivation, processing and utilization were conducted during the period under report:

Training Programme	No. of Participants / Students	Village / Place	Sponsoring Agency	Period
1. One week training on lac cultivation	12+1	ILRI	ATMA, West Singhbhum & Self	24 to 29-1-05
	29+1	do	Swa-Shakti, Ranchi & self	21 to 26-2-05
	32+25	do	Forest Deptt, North Bastar & Mahasamund	7 to 12-3-05
	55+1	do	Forest Deptt., North Bastar & Bhanupratappur	14 to 19-3-05
On-Farm training	45	Mangobandh, Ranchi	SEEDS, Mangobandh, Ranchi	1-1-05
	35	Dokad, Ranchi	Gram Jan Jagriti Manch, Ranchi	3-2-05
	83	Sogod, Ranchi	-do-	11-2-05
	50	Forest Res. Centre Godhara	Forest Deptt., Gujarat	2-2-05
	50	Vagai, Dangs	-do-	3-2-05
	50	Basan, Godhara	-do-	5-2-05
	2740	Barghat, Kanari Dhanora,Piparia Lakhnadon	Zila Panchayat, Seoni (M.P.)	22-2-05 27-2-05
	55	Khamar	PRADAN	16-3-05
	94	Hatchery Hall, Latehar	D.C. Latehar	29 to 31-3-05
	110	Keodi, Chhotaudepur	Gujarat State Forest Dev. Corporation, Vadodara	30 & 31-3-05
One-day Orientation Programme	25	ILRI	JWDS, Ranchi	22-1-05
	39	ILRI	R.K. Mission, Ranchi	29-1-05
	25	ILRI	JWDS, Ranchi	28-1-05
	15	ILRI	AFPRO, Ranchi	3 & 4-2-05
	19	ILRI	G. Vikas Trust, Ranchi	18-2-05
	32	ILRi	CASA, Surguja, Chhatisgarh	2-3-05
	16	ILRI	Gandhi Seva Ashram, Ambikapur	2-3-05
	36	ILRI	NABARD, Ranchi	16-3-05
	33	ILRI	R. K. Mission, Ranchi	18-3-05
	55	ILRI	Gram Jagriti Manch	31-3-05

Technology of Gasket Shellac Compound was transferred to M/s Polygel Technologies (I) Pvt Ltd, Chembur (E), Mumbai, during March 8-11,2005

(AK Jaiswal, Sr. Sc. TOT, Div)

एक नये कुसमी लाख परिपालक की पहचान

New kusmi lac host

उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान थार रेगिस्तान के फैलाव को रोकने के लिये *प्रोसोपिस जुलीफ्लोरा (गंदा बबूल)* को भारतीय उपमहाद्वीप में दक्षिण अमेरिका से लाया गया था । राजस्थान एंव गुजरात राज्यों की सभी प्रकार की मिट्टियों में इसने स्थान बना लिया है। इस परिपालक की उपस्थिति गुजरात के पड़ोसी राज्यो में भी देखी गई है। इस पौधा प्रजाति पर बासन फार्म, टी.आर.सी. गांधी नगर, वन विभाग, गुजरात में जुलाई 2004 में कुसमी प्रजाति के *केरिया लैका*

Prosopis juliflora (Guj: *Ganda Babool*), was introduced to the Indian subcontinent from South America for preventing the spread of Thar during the 19th century. Presently, it has invaded Rajasthan and Gujarat covering all type of soil conditions in these states. Presence of this host has been noticed in the adjoining areas of neighbouring states also. This plant species was inoculated with brood lac of *kusmi* strain of

कीट के बीहन लाख का संचारण किया गया। फरवरी 2005 के दौरान लाख की अच्छी फसल हुई, जिसमे बीहन लाख के उपयोग–उत्पादन का अनुपात 1: 6 रहा। हालांकि यह सिंध, पाकिस्तान से के. *सिन्धिका* कीट का प्रचलित परिपालक है परन्तु *केरिया लैका* की कुसमी प्रजाति की खेती इस पर पहली बार हुई है ।

चूंकि यह परिपालक बड़ी संख्या में उपलब्ध है तथा इनका आर्थिक महत्व कम है, कुसमी लाख परिपालक के रूप में इसकी पहचान से न केवल देश मे गुणवत्ता वाली कुसमी लाख का उत्पादन बढ़ेगा बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक. आर्थिक विकास के अवसर भी प्रदान करेगा ।

(दिलीप सिंह, त.स., ला.उ.वि.)

Kerria lacca at Basan Farm, T.R.C. Gandhi Nagar, Department of Forest, Gujarat, during July 2004. A good lac crop was obtained during February, 2005 with a broodlac input-output ratio of 1:6. Although it is a recorded host of *K. sindica* from Sindh, Pakistan, *kusmi* strain of *K.lacca* has been cultured for the first time on this host.

Due to its availability in large numbers and less economic significance, its identity as a good *kusmi* lac host is expected to provide an opportunity, not only for boosting *kusmi* quality lac production in the country, but also for socio-economic development of the rural masses.

(D. Singh, T A, LP Division)

सम्पर्क

श्री आर. नारायण, मुख्य महाप्रबंधक, राष्ट्रीय कृषि एंव ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) एंव अन्य महत्वपूर्ण अधिकारियों के एक दल ने 2 फरवरी को झारखण्ड में लाख की खेती की क्षमता निर्माण के लिये दो संस्थाओं के बीच सहयोग की चर्चा के लिये संस्थान का दौरा किया। डॉ. बंगाली बाबू निदेशक एंव वरीय स्तर के वैज्ञानिकों के साथ उनकी बैठक आयोजित की गई । इसके परिणामस्वरूप नाबार्ड द्वारा दो ग्रामो में दो गैरसरकारी संगठनों; ग्राम जन जागृति मंच, नामकुम एंव जेवियर समाज सेवा संस्थान, राँची के स्थानीय सहयोग से दो सौ किसानों के प्रशिक्षण की एक परियोजना की स्वीकृति दी गई है । एक समूह में एक सौ किसान शामिल है ।

लाख की खेती के पैकेज के प्रदर्शन के लिये निवेश मे 85% योगदान नाबार्ड का है । विपणन एंव ऋण उपलब्धता के लिये सहकारी प्रयासों को बढावा देने के लिये गैर सरकारी संगठन भाग लेने वाले उत्पादको के एस.एच.जी. तैयार करेंगे। परियोजना के कुल खर्च 2.03 लाख रू. मे से 1.865 लाख रूपये नाबार्ड वहन करेगा। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाले किसानों को भा. ला. अनु. स. द्वारा लाख खेती की प्रौद्योगिकी पर दो दिनों का प्रक्षेत्र प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन किसानों को संस्थान में एक दिन का अभिविन्यास प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। संस्थान चिन्हित क्षेत्रों में खेती के प्रदर्शन के लिये तकनीकी निर्देश उपलब्ध कराएगा ।

(रंगनाथन रमणि, प्र. वै., प्रौ. ह. विभाग)

LINKAGE

A team, comprising of Shri R. Narayan, Chief General Manager, National Agricultural Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) and other important officials visited the institute on 2nd Feb. to discuss about co-operation between the two institutions for capacity building in lac cultivation in Jharkhand. A meeting was held with Dr Bangali Baboo, Director and senior-level scientists of the Institute. As a result, a project has been sanctioned by NABARD for training 200 farmers in two village clusters with local support of two NGOs, namely, Gram Jan Jagriti Manch, Namkum and Xavier Institute of Social Service, Ranchi. One cluster comprises of 100 farmers.

NABARD would contribute 85% of critical inputs for demonstration of lac cultivation package. The NGOs would work towards creation of SHGs of the participating lac growers, to promote co-operative efforts for marketing and credit linkages. The NABARD would be contributing Rs1.865 lakhs out the total cost of Rs 2.03 lakhs of the project. The ILRI would provide two - day on-farm training on lac cultivation technologies to the farmers benefitting under this programme; the farmers would also receive a one-day exposure training at the Institute. The Institute would also provide the technical guidance for the lac cultivation demonstrations in the target area.

(R. Ramani, PS, TOT Division.)

प्रकाशन

- भा.ला.अनु.सं. लाख समाचार पत्रिका वर्ष 8(4) 04 पृष्ठ
- आई एल. आर. आई इयर प्लानर, 2005

PUBLICATION

- ILRI Lac Newsletter Vol.8(4), 4pp
- ILRI Year Planner, 2005

अन्य

- भारतीय लाख अनुसंधान की वेबसाइट 15 मार्च 2005 को अद्यतन की गई।
- 17 जनवरी एंव 7 फरवरी को निदेशक महोदय की अध्यक्षता में डॉ. पूर्ण चन्द्र सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों की समिति की बैठकों का संयोजन किया ।
- लाख प्रसंस्करण एंव उत्पाद विकास विभाग की अत्याधुनिक उपकरण प्रयोगशाला मे एच.पी.एल.सी. का उन्नयन ।

MISCELLANEA

- ILRI website updated w.e.f. 15th March, 2005
- Meetings of Senior Officer's Committee held on 17th January and 7th February 2005 under the chairmanship of Director and convened by Dr PC Sarkar, Convener
- Upgradation of HPLC in Sophisticated Insturmentation Laboratory of LP& PD Division

उप महानिदेशक का दौरा

डॉ एस.अय्यप्पन, उप महानिदेशक (मात्सियिकी एंव अभियांत्रिकी) भा.कृ.अनु. परिषद, नई दिल्ली ने भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान, राँची का दिनांक 19-20 फरवरी 2005 को दौरा किया। अपने दो दिवसीय प्रवास में उन्होंने संस्थान के अनुसंधान फार्म, लाख संग्रहालय, लाख उत्पादन विभाग की अनुसंधान प्रयोगशाला एंव उत्पाद प्रदर्शन इकाई तथा रामकृष्ण मिशन के कृषि विज्ञान केन्द्र, हार्प एंव एन.बी.पी.जी. आर., राँची का दौरा किया ।

Inauguration of deep borewell at the Institute campus by DDG (Engg.)

उन्होने सं.अनु. प्रक्षेत्र में लाख परिपालक कुसुम का एक पौधा भी लगाया। व साथ ही संस्थान परिसर में डीप बोरवेल का भी उद्घाटन किया जो 200 मीटर गहराई से प्रति घंटा 2,500 लीटर पानी देने की क्षमता रखता है। भा.ला.अनु.स. के वैज्ञानिको एंव अधिकारियों के साथ उनकी बैठक के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. बंगाली बाबू ने उपमहानिदेशक का स्वागत किया तथा संस्थान की गतिविधियों एंव उपलब्धियों की जानकारी दी। विभागाध्यक्षों, प्रभारी वैज्ञानिक,सं.अनु. प्रक्षेत्र, प्रशासनिक अधिकारी, वित्त व लेखा अधिकारी एवं सम्पदा अधिकारी ने संबंधित विभागों/अनुभागो की उपलब्धियों एंव गतिविधियों को प्रस्तुत किया। इस दौरे का समन्वय डॉ. प्रणय कुमार ने किया।

DDG's visit

Dr S. Ayyappan, Dy. Director General (Fy. & Engg.), ICAR, New Delhi visited Indian Lac Research Institute, Ranchi on 19-20 Feb., 2005. During his two days stay, he visited institute Research Farm, Lac Museum, Research Labs of L.P. Division and P.D. unit of the Institute, KVK of R.K. Mission, HARP, and NBPGR Stations, Ranchi. He also planted a sapling of lac host *kusum* in the plantation. He also inaugurated a deep borewell at the institute campus with yield of 2,500 lt/hr from a depth of 200mtr. During the meeting with scientists and officers of ILRI, Dr B. Baboo, Director welcomed DDG and presented the activities and achievements of the Institute, Heads of Divisions, Scientist Incharge, IRF; A.O., F&A.O. and Estate Officer presented the achievements and activities of the concerned Division / Section. Dr P. Kumar, Head L.P. Division coordinated the programme of his visit.

जापान के व्यापारियों का भा.ला.अनु. सं. में दौरा

जापान के दो व्यापारी श्री सिनसेके एंव श्री अकियामा कपड़े के निर्माण में प्राकृतिक रेशों एवं रंजक (रंग) की उपलब्धता का पता करने हेतु अपने भारत दौरे के कम में राँची आये। उनका विचार था कि प्राकृतिक, सुरक्षित एंव कार्बनिक रजंक की कपड़ा, खाद्य एंव सौन्दर्य उद्योग मे बहुत ज्यादा मांग की बड़ी सम्भवना है। उन्होनें भा. ला. अनु. संस्थान के लाख के विशेषज्ञों से बातचीत की तथा लाख रजंक जो कि कच्ची लाख से वाणिज्यिक रूप से बनाया जा सकता है, में काफी रूचि दिखायी। उन्होनें लाख रंजक की आपूर्ति को परखने के लिये स्थानीय लाख निर्माताओं के यहाँ भी दौरा किया। वे लाख रंजक से रेशमी एंव ऊनी कपड़ो के रंगने के प्रति काफी प्रभावित हुए। उन्हानें भा.ला.अनु. संस्थान से अनुरोध किया कि जापान में खपत के लिये आवश्यक मात्रा में लाख रंजक की आपूर्ति हेतु एक व्यवस्था विकसित करने में सहयोग करे। सस्थांन के निदेशक डॉ. बंगाली बाबू ने आगन्तुकों को भा.ला.अनु. संस्थान से सभी प्रकार के सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। इस पहल से लाख रंजक जो कि लाख उद्योग का एक उपोत्पाद है तथा ज्यादातर बरबाद ही होता है, के उपयोग की संभावना बनी है। आगन्तुकों को संस्थान का अनुसंधान फार्म तथा लाख संग्रहालय भी दिखाया गया। तसर रेशम के बारे मे जानकारी हासिल करने के लिये उन्होंने हेहल स्थित तसर अनुसंधान एंव प्रशिक्षण संस्थान का भी दौरा किया।

(रंगनाथन रमणि, प्र. वै., प्रौ. ह. विभाग)

Japanese businessmen visit ILRI

Interaction with Japanese visitors

Two businessmen from Japan, Shri Shinsuke and Shri Akiyama were in Ranchi, as a part of Indian tour to explore the availability of natural fibres and dyes for manufacture of fabrics. They were of the opinion that there was great scope for very high demand for natural, safe and organic dyes in textiles, food and cosmetic industries. They interacted with lac experts at the Indian Lac Research Institute and took keen interest in lac dye, which can be commercially produced from crude lac. They also visited local lac manufacturers for assessing the supply of lac dye. They were very much impressed by the scope of lac dye for dyeing the silken & woollen fabrics. They appealed for further support from the ILRI for developing a channel for supply of lac dye of desired quality for consumption in Japan. Dr Bangali Baboo, Director of the Institute assured all possible support of ILRI to the visitors. This initative is likely to lead to utilization of lac dye, a bye product of lac industry, which mostly goes as waste. The visitors were also shown around the Institute Research Farm and Lac Museum. They also visited Central Tasar Research and Training Institute at Hehal to learn about tasar silk.

(R. Ramani, PS, TOT Div.)

सम्मान / पुरस्कार

- डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, लाख उत्पादन विभाग को अनुप्रयुक्त प्राणी विज्ञान के क्षेत्र मे उल्लेखनीय अनुसंधान के लिये अप्लायड जूलोजिस्ट्स रिसर्च एसोसियसन, सी.आर.आर.आई, कटक द्वारा 14 फरवरी को ए.जेड. आर.ए. युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया ।
- डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक को ए.एन.जी.आर.ए. विश्वविद्यालय हैदराबाद में 11 मार्च 2005 को आयोजित आई.एस.ए.ई. के वार्षिक सम्मेलन में इन्डियन सोसाईटी ऑफ एग्रीकल्चर इन्जीनियर्स के फेलो के रूप में सम्मानित किया गया ।
- डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, लाख उत्पादन विभाग ने उड़ीसा कृषि एंव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित 7 वें ए.जेड.आर.ए. सम्मेलन मे "मत्स्य, डेयरी एंव पशुचिकित्सा विज्ञान तथा अन्य लाभदायक प्राणी" विषयक सत्र की अध्यक्षता की ।

Dr Sharma receiving AZRA award

- वर्ष 2004-05 की अभियन्त्रिकी विभाग की उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए उपमहानिदेशक (अभियन्त्रिकी) ने डॉ. अजय भट्टाचार्य को उनके कार्य "विदेशत्र अन्ड परजीवीयों के माध्यम से लाख कीट परभक्षियों का प्रबन्धन" के लिये उनकी सराहना की ।

सेवा निवृति

- ▼ श्री सपन कुमार भादुड़ी टी-5 : 31-01-2005
- ▼ श्री रजनी कांत उपाध्याय, सहायक : 31-01-2005
- ▼ श्री बसंत प्रसाद केसरी, टी-4 : 31-01-2005
- ▼ श्री बलाई डे, टी-4 : 31-03-2005

भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान से स्थानांतरण

- * डॉ कौशल किशोर कुमार, विभागाध्यक्ष एंव प्रधान वैज्ञानिक को लीची के लिये राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र, मुज्जफरपुर (बिहार) में विशेष कार्य पदाधिकारी पद पर स्थानांतरण के बाद उन्हें दिनांक 28-02-2005 को विरमित किया गया ।
- * श्रीमती स्मिता जैन, टी-3 के एन.बी.पी.जी.आर. में स्थानान्तरण के बाद उन्हें दिनांक 31-03-05 को निरमित किया गया।

भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान में स्थानांतरण

- * श्री मुरारी प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक (रसायनिक अभियांत्रिकी), ने भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान से स्थानांतरित होकर में दिनांक 07-02-2005 को संस्थान में योगदान किया।

मानव संसाधन विकास

- डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव, वैज्ञानिक (वरीय वेतनमान) लाख उत्पादन विभाग ने दिनांक 28 मार्च 2005 को वेस्ट बँगाल यूनिवर्सीटी ऑफ एनिमल एंड फिसरीस साईंस, कोलकाता में, "साइंस साइटेशन इन्डेक्स" विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया ।
- श्री मोहम्मद फहीम अंसारी, वैज्ञानिक लाख, प्रसंस्करण एंव उत्पाद विकास विभाग ने राष्ट्रीय कृषि प्रबंध अकादमी, हैदराबाद द्वारा आयोजित 05-25 जनवरी 2005 तक आयोजित 'कम्प्यूटर बेस्ड मल्टिमिडिया प्रेजेंटेशन' विषयक प्रशिक्षण में भाग लिया ।

Honours / Awards

- Dr KK Sharma, Sr. Sc., LP Division was awarded AZRA Young Scientist Award on 14th Feb, 2005 by Applied Zoologists Research Association, CRRI, Cuttack for his outstaning research contributions in the field of applied Zoology.
- Dr Bangali Baboo, Director was conferred Fellow, Indian Society of Agricultural Engineers (ISAE) at the Annual Convention of ISAE held at ANGRAU, Hyderabad, on March 11, 2005.
- Dr KK Sharma, Sr. Sc., LP Division, Chaired the technical session on, 'Fisheries, Dairy & Veterinary Sciences and other Beneficial animals' during 7th AZRA Conference held at OUAT, Bhubaneshwar.
- While reviewing the achievements of the Engineering Division for the year 2004-05, DDG, Engineering complimented Dr A. Bhattacharya for his work on 'Management of lac insect predators through exotic egg parasitoids.

Retirement

- ▼ Shri S.K. Bhaduri, T-5 w.e.f. 31.1.2005
- ▼ Shri R.K. Upadhyaya, Asstt. w.e.f. 31.1.2005
- ▼ Shri B.P. Keshery, T-4 w.e.f. 31.1.2005
- ▼ Shri B.L.Dey, T-4 w.e.f. 31.3.2005

Transferred from ILRI

- * Dr KK Kumar, Head, Div. of TOT & PS transferred to NRC for Litchi, Muzaffarpur (Bihar) as Officer-Special Duty and relieved on 28.2.2005
- * Smt Smita Jain, T-3 transferred to NBPGR, Pusa Campus , New Delhi-12 and relieved on 31.3.2005

Transferred to ILRI

- Dr Murari Prasad, P.S. (Chem.Engg.) transferred from IVRI, Izatnagar, UP and joined at this Institute on 7.2.2005.

HRD

- Dr S.K. Yadav, Scientist (SS), Lac Production Division attended a training on Science Citation Index on 28th March 2005 at West Bengal University of Animal and Fishery Sciences, Kolkata
- Shri MF Ansari, Sc.,LP&PD Division attended a training programme on "Computer-based Multimedia Presentation' during Jan 05-25, 2005, held at NAARM, Hyderabad.

MEETINGS / SEMINARS / WORKSHOPS ATTENDED / VISITS UNDERTAKEN

निदेशक द्वारा

- नेशनल सेमिनार ऑन पेटेन्ट्स प्रोटेक्सन वैल्युऐशन एंड कमर्शियालाइजेशन, नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कारपोरेशन, नई दिल्ली, फरवरी 09, 2005
- प्राजेक्ट स्क्रीनिंग कमिटी आफॅ एग्रीकलचरल इंजीनियरिंग डिविजन, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, मार्च 17-18, 2005.

अन्य

- 19-20 फरवरी 2005 को फोरम ऑफ सांइटिस्टस्, इंजीनियर्स एंड टेक्नोलोजिस्टस् द्वारा आयोजित 5वीं ऑल इंडिया पीपल्स् टेक्नोलॉजी काग्रेंस मे भाग लेकर श्री फहिम अन्सारी ने डॉ दीपेन्द्रनाथ गोस्वामी, डॉ बंगाली बाबू एंव डॉ निरंजन प्रसाद लिखित शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- डॉ पूर्ण चन्द्र सरकार, व. वैज्ञानिक ने दिल्ली मे 22 मार्च 2005 को भारतीय मानक ब्यूरो की रसायनिक विभाग परिषद् की बैठक में भाग लिया ।
- लाख उत्पादन विभाग के वरीय वैज्ञानिक डॉ. केवल कृष्ण शर्मा ने 7वीं. अप्लायड जूलोजिकल रिसर्च एशोसियसन के 'रिसेंट एडवांसेस इन अप्लायड जूलोजिकल रिसर्च टूवर्डस फूड एंड न्यूट्रीशनल सिक्युरिटी एंड देयर इम्पैक्ट ऑन इनवायरमेंट चैलेजेंस अहेड' शीर्षक गोष्ठी (उड़ीसा यूनिवर्सिटी ऑफ ऐग्रीकल्चरल एंड टेक्नोलॉजी) मे 14-16 फरवरी 2005 को भाग लिया एंव 'यिल्ड गैप एंड पोटेंशियल स्टडी इन इंडियन लैक इन्सेक्ट, *केरिया लैक्का*(केर) एंड एनालायसिस ऑफ फैक्टर्स रिसपाँसीब्ल फॉर लो यिल्ड ऑफ लैक' केवल कृष्ण शर्मा, कविता कुमारी एंव मनोज कुमार द्वारा लिखित आलेख प्रस्तुत किया ।
- 7वीं अप्लायड जूलोजिकल रिसर्च एशोसिएशन द्वारा भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित गोष्ठी मे डॉ. अजय भट्टाचार्य, डॉ. अनिल कुमार जायसवाल, श्री एस. कुमार एंव श्री मनोज द्वारा लिखित शोध पत्र 'इवेल्पूवेशन ऑफ कॉरटेप हाइड्रोक्लोराईड फॉर मैनेजमेंट ऑफ *यूल्लेमा अमाबलिस(मूर) -ए सिरियस लैपिडोपटेरन प्रिडेटर ऑफ लैक इन्सेक्ट*' का प्रस्तुतीकरण डॉ. अजय भट्टाचार्य, प्रधान वैज्ञानिक, लाख उत्पादन विभाग ने किया ।
- राजभाषा कार्यान्वयन क्षेत्रीय कार्यालय (पूर्वोत्तर क्षेत्र) कोलकाता द्वारा गुवाहाटी (असम) स्थित जिला पुस्तकालय ऑडिटोरियम में दिनांक 01 एंव 02 फरवरी 2005 को आयोजित 'संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन' मे सहायक निदेशक (रा.भा.) श्री लक्ष्मी कान्त ने भाग लिया।
- संस्थान राजभाषा समिति की प्रथम बैठक दिनांक 26-02-2005 को निदेशक डॉ. बंगाली बाबू की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए बैठक में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।
- फैमिली कांउसिलिंग सेंटर (ग्रामीण विकास संस्थान) बोकारो झारखंड द्वारा 05-03-2005 को आयोजित ''महिला उत्पीड़न एंव समाज का दायित्व'' विषयक सम्मेलन में श्रीमती सुशांति प्रसाद, वैयक्तिक सहायक एंव श्रीमती स्मिता जैन टी-3 ने भाग लिया ।

गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला

रिर्पोट की अवधि में उद्यमियों / व्यापार जगत / संस्थान के विभिन्न विभागों से प्राप्त 57 नमूनों से 217 जाँच /परीक्षण कर रू.16,916 (सोलह हजार नौ सौ सोलह रूपये) मात्र के राजस्व की प्राप्ति की गई ।

By Director

- National Seminar on Patents Protection Valuation and Commercialization. National Research and Development Corporation, New Delhi. Feb.9, 2005
- Project Screening Committee of Agricultural Engineering Division, ICAR, New Delhi. March 17-18, 2005.

Others

- Shri MF Ansari, Sc., LP&PD Division participated and presented the paper, 'Entrepreneurship potential of Natural resin Shellac based products in West Bengal' authored by DN Goswami, B. Baboo, N. Prasad and MF Ansari, in the seminar, '5th All India Peoples' Technology congress' organized by Forum of Scientists, Engineers and Technologists during Feb. 19-20, 2005.
- Dr PC Sarkar, Sr. Scientist attended 11th meeting of Chemical Division Council of Bureau of Indian Standards at New Delhi on 22nd March 2005.
- Dr KK Sharma, Sr. Sc., LP Division participated in the 7th AZRA Conference on 'Recent Advances in Applied Zoological Researches towards Food and Nutritional Security and their Impact on Environment : Challenges Ahead' held at OUAT, Bhubaneshwar, Orissa during 14-16th February, 2005 and presented a paper entitled, 'Yield gap and potential study in Indian lac insect, *Kerria lacca* (Kerr) and analysis of factors responsible for low yield of lac' authored by KK Sharma, Kavita Kumari and Manoj Kumar.
- Dr A. Bhattacharya, Pr. Sc., LP Division, presented a paper on 'Evaluation of Cartap hydrochloride for management of *Eublemma amabilis* (Moore) - a serious lepidopteran predator of lac insect' authored by A Bhattacharya, AK Jaiswal, S Kumar and M Kumar in 7th AZRA Conference held at Bhubaneshwar, Orissa.
- Shri Lakshmi Kant, Assistant Director (O.L.) attended 'Combined Regional Official Language Conference" in Auditorium of District Library, Guwahati (Assam) organized by Deputy Director, Implementation (North East Region) Kolkata on 01-02 February,05
- First Meeting of Institute Official Language Implemention Committee was held under the Chairmanship of Dr. Bangali Baboo, Director on 26th Fabruary, 05 and important decisions were taken to promote use of Hindi.
- Mrs Sushanti Prasad, PA and Mrs Smita Jain, T-3, participated in Conference on "Mahila Utpidan Avam Samaj ka Dayitva" (Harrassment of Women and responsibility of the Society) organised by Family Counceling Centre, Bokaro on 5th March, 2005.

Quality Testing Laboratory

The laboratory carried out 217 tests on 57 samples received from entrepreneurs/business houses/different Divisions of the Institute during the period under report. An amount of Rs16,916 was earned as revenue.

स्थानीय गोष्ठियाँ / आमंत्रित व्याख्यान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के कीटविज्ञान विभाग के डॉ. ए.वी.एन. पॉल, प्रधान वैज्ञानिक एंव नेशनल फेलो द्वारा 12 जनवरी 2005 को 'सेमियोकेमिकल इन्ट्रेक्सन इन इन्सकेट्स' विषय पर।
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण विभाग के श्री महेश्वर लाल भगत वैज्ञानिक (प्रवरण कोटि) द्वारा दिनांक 5 मार्च 2005 को 'एफिसियेंसी फैक्टर्स ऑफ बेनिफिसियल इनसेक्ट पारासाईटस' विषय पर।

संस्थान अनुसंधान प्रक्षेत्र

बीहन लाख, लकड़ी अन्य प्रक्षेत्र उत्पाद इत्यादि के विक्रय एंव चक्रीय कोष योजना की अंश प्राप्ति से रू 48,444/- (अड़तालीस हजार चार सौ चवालीस रूपये) मात्र उपार्जित किये गए ।

मूलभूत संरचना विकास

संस्थान अनुसंधान प्रक्षेत्र के लिये पुराने ट्रेक्टर के स्थान पर 36 अश्व शक्ति वाले नये ट्रेक्टर का कय किया गया । साथ ही साथ डिस्क प्लाऊ, स्प्रिंग टाइन टिलर एंव हैरो भी कय किये गए ।

Newly purchased tractor

क.अनु.प. की बैठक

डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 4-5 जनवरी एंव 22 फरवरी 2005 को कर्मचारी अनुसंधान परिषद् की बैठक हुई। बैठक का संयोजन डॉ. पूर्ण चन्द्र सरकार, सदस्य सचिव ने किया। बैठक में संस्थान के एंव बाह्य वित्त पोषित क्रियमान अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई । वैज्ञानिक अनुसंधान समिति ने 6 नई परियोजनाओं पर विचार विमर्श किया। इनमें से तीन को पुन: विचार एंव सुधार हेतु विभागीय अनुसंधान परिषद् के पास भेजने की अनुशंसा की गई। संस्थान के सभी वैज्ञानिकों ने कर्मचारी अनुसंधान परिषद् की बैठक में भाग लिया ।

In-house seminars / Invited talks

- 'Semiochemcial interaction in Insects' by Dr AVN Paul, PS & National Fellow, Entomology Division, IARI, New Delhi on Jan.12, 2005.
- Efficiency factors of beneficial insect parasites by Shri ML Bhagat Sc (SG), TOT Division on March 5, 2005.

Institute Research Farm

A sum of Rs 48, 444/- was earned through sale of farm produce, wood, broodlac etc. and as resource sharing with Revolving Fund Scheme.

Infrastructure development

A new 36 HP tractor has been purchased for Institute Research Farm under replacement of the old Tractor. Accessories *viz.* Disc Plough, Spring Tine Tiller and Disc Harrow have also been purchased.

SRC Meeting

SRC Meeting under Chairmanship of Dr Bangali Baboo, Director, was conducted by Dr PC Sarkar , Member Secretary on 4th -5th January and 22nd February 2005. Progress of the ongoing research projects of the institute as well as externally funded projects was discussed in detail. Six new projects were considered by the SRC, three of which were refered back to DRC for further improvement. All the scientists of the Institute attended the SRC.

प्रदर्शनी

- भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी में 29-30 जनवरी 2005 को भारतीय सब्जी किसान मेले में ।
- संस्थान का स्टॉल बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके में लगाया गया। प्रदर्शनी की सामग्री प्रदर्शित की गई तथा मेल्फोलैक वार्निश बिक्री के लिये रखा गया । प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री सैयद सिब्ते रजी, महामहिम, राज्यपाल, झारखंड ने किया । उद्घाटन के समय डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक एंव डॉ रंगनाथन रमणि उपस्थित थे। प्रतिदिन दो सौ से ज्यादा किसान स्टॉल पर आये । उनमें से ज्यादातर तमाड़, मांडर, ओरमांझी, बोकारो एंव गुमला आदि विभिन्न क्षेत्रों के लाख उत्पादक थे ।

H.E. Governor of Jharkhand at Lac Stall

EXHIBITION

- At Indian Vegetable Kisan Mela at IIVR, Varanasi during 29-30 January, 2005
- Institute stall was put up at BAU, Kanke. Exhibit materials were displayed and Melfolac varnish was also put up for sale. Exhibition was inaugurated by Hon'ble Saiyed Sibte Razi, Governor of Jharkhand. During the inauguration, Dr Bangali Baboo, Director and Dr R. Ramani PS were present. More than two hundred farmers visited the stall daily. Most of them were lac growers of different areas like Tamar, Mandar, Ormanjhi, Bokaro and Gumla.

गणतंत्र दिवस समारोह

संस्थान के कर्मचारी मनोरंजन मण्डल द्वारा दिनांक 26 जनवरी 2005 को पारम्परिक हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में संस्थान के सभी सदस्यों एंव उनके परिवार के लोगों ने भाग लिया। ध्वजारोहण के बाद डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक ने अपने सम्बोधन में देश एंव संस्थान के हित में कार्य करने की अपील की। डॉ. रंजय कुमार सिंह,वैज्ञानिक ने अपने देशभक्ति गीत से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया । इस अवसर पर डबल विकेट क्रिकेट टूर्नामेंट तथा 200 मीटर एंव 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगितायों का आयोजन किया गया ।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक महोदय की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी सिंह के कर-कमलों से पुरस्कार प्रदान किये गये । इस समारोह मे उत्साहपूर्वक सहभागिता एंव सक्रिय सहयोग के लिये कर्मचारी मनोरंजन मण्डल के अध्यक्ष डॉ. केवल कृष्ण शर्मा ने सभी प्रतियोगियों और कर्मचारीयों को धन्यवाद दिया।

(प्रहलाद सिंह, सदस्य सचिव, कर्मचारी मनोरंजन मण्डल)

Republic Day Celebration

Republic Day was celebrated with usual gaiety and enthusiasm under the aegis of Staff Recreation Club on 26 th January, 2005.

All the staff of the institute and their family members participated in the celebration. While addressing the gathering after Flag hoisting, Dr Bangali Baboo, Director urged them to work for the welfare of the Nation and the institute. Dr RK Singh, Sc. enthraeled the audience with his patriotic song. A double wicket cricket tournament and 200m & 400m races were also organised on the occasion. Winners were awarded prizes by Mrs Director, Smt.Madhuri Singh. Dr KK Sharma, President of the Staff Recreation Club thanked all the participants for their zealous participation and members of the club for their active cooperation in organising the event.

(Prahlad Singh, Member Secretary, Staff Recreation Club)

अनुसंधान परामर्शदात्री समिति की बैठक

21 एंव 22 मार्च 2005 को संस्थान में ग्यारहवीं अनुसंधान परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न हुई । बैठक मे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व उपमहानिदेशक (अभियांत्रिकी) एंव संयुक्त निदेशक, सरदार पटेल रिन्यूवेबल एनर्जी रिसर्च इंस्टीच्यूट (एस.पी.आर.ई.आर. आई) वल्लभ विद्या नगर, गुजरात, अध्यक्ष; डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान; श्री जीवेन्द्र कुमार, महाप्रबन्धक, झास्कोलैम्फ; श्री रोशन लाल शर्मा, उद्योगपति एवं डॉ. अजय भट्टाचार्य, प्रधान वैज्ञानिक एवं सदस्य सचिव ने भाग लिया। समिति ने अनुसंधान कार्य तथा परिप्रेक्ष्य योजना परिदृष्य 2000 की समीक्षा की। अनेक अनुशंसाये की गई जिनको अनुमोदनार्थ परिषद को भेजा गया है ।

RAC meeting in progress

RAC Meeting

The XIth meeting of Research Advisory Committee was held at the Institute on 21st-22nd March, 2005. The meeting was attended by Dr N.S.L. Srivastava, former DDG (Engg.), ICAR and presently Joint Director, Sardar Patel Renewable Energy Research Institute (SPRERI), Vallabh Vidya Nagar, Gujarat as Chairman; Dr Bangali Baboo, Director, ILRI; Shri Jivendra Kumar, MD, JHASCOLAMPF; Shri R.L. Sharma, Industrialist and Dr A. Bhattacharya, Pr. Scientist and Member Secretary. The Committee reviewed the research programme. Presentation of the Perspective Plan-Vision 2020 document was also made. Several recommendations were made which have been sent to the Council for approval.

अनुसंधान प्रबंधन इकाई

डॉ. अजय भट्टाचार्य, प्रधान वैज्ञानिक ने दिनांक 28 मार्च 2005 को डॉ. रंगनाथन रमणि, प्रधान वैज्ञानिक से अनुसंधान प्रबंधन इकाई का प्रभार ग्रहण किया ।

RMU

Dr A. Bhattacharya, Pr. Scientist took over the charge of Research Monitoring Unit (RMU) w.e.f. 28th March, 2005 from Dr R. Ramani, Pr. Scientist & Head, TOT Division.

नववर्ष मिलन समारोह

डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक की अध्यक्षता में कर्मचारी मनोरंजन मंडल द्वारा संस्थान के सदस्यों के लिये नववर्ष मिलन समारोह का औपचारिक आयोजन किया गया । इस अवसर पर डॉ. प्रणय कुमार, अध्यक्ष, लाख उत्पादन विभाग; डॉ. निरंजन प्रसाद, अध्यक्ष, लाख प्रसंस्करण एंव उत्पाद विकास विभाग; डॉ. कौशल किशोर कुमार, अध्यक्ष, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण विभाग; डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, प्रभारी अधिकारी, संस्थान अनुसंधान फार्म; डॉ. निरंजन प्रसाद, सम्पदा अधिकारी; श्री अशोक मल्लिक, प्रशासनिक अधिकारी; श्री देवेश निगम, वित्त एंव लेखा अधिकारी ने अपने अपने विभाग / अनुभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा आगामी वर्ष के लिये लक्ष्य निर्धारित किये । डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक ने संस्थान की उपलब्धियों पर संतोष प्रकट किया एंव समस्त वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों को संस्थान को यशस्वी बनाने हेतु कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा दी ।

(के.के.शर्मा, अध्यक्ष, कर्मचारी मनोरंजन मण्डल)

New Year Get-Together

A formal New year get-together was organised for the institute staff by Staff Recreation Club of the institute under the Chairmanship of Dr Bangali Baboo, Director. On this occasion, Dr P. Kumar, Head, LP Division; Dr N. Prasad, Head, LP&PD Division; Dr KK Kumar, Head, TOT Division; Dr KK Sharma, Incharge, Institute Research Farm; Dr N. Prasad (Er.) Estate officer; Shri A. Mallick, Administrative Officer and Shri D. Nigam, F& AO presented achievements of their respective Division/Section and set targets for the next year. Dr Bangali Baboo expressed his satisfaction over the achievements and exhorted all the scientists and staff of the Institute to work hard for bringing laurels to the Institute.

(KK Sharma, President, Staff Recreation Club)

अन्तर संस्थानिक खेलकूद प्रतियोगिता में सहभागिता

संस्थान केन्द्रीय पटसन एंव संवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर द्वारा युवा भारती क्रीड़ांगन, साल्ट लेक, कोलकाता में दिनांक 14-18 जनवरी 2005 तक आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अन्तर संस्थानिक प्रतियोगिता, जोन III में भाग लिया । श्रीमती स्मिता जैन, शतरंज फाइनल में विजयी रहीं एंव श्रीमती सुशांति प्रसाद को भाला फेंक (महिला) प्रतियोगिता में उपविजेता घोषित किया गया । पुरूष वर्ग खेलकूद में श्री रामचन्द्र मण्डप ने 1500 मीटर दौड़ में द्वितीय तथा 200 मीटर की दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्री बन्धनु उराँव ने ऊंची-कूद तथा श्री चैतु कच्छप ने साइकिल रेस (500 मीटर) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया । पुरूषों की 4 X 100 मीटर रिले दौड़ में संस्थान का स्थान तृतीय रहा । डॉ. अजय भट्टाचार्य, प्रधान वैज्ञानिक ने चीफ-डि-मिशन एंव श्री कंवल किशोर प्रसाद ने मैनेजर के रूप में खिलाड़ियों का साथ दिया ।

प्रशिक्षण का आयोजन

केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पादप संस्थान, लखनऊ ने दिनांक 18-20 जनवरी 2005 तक भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान, नामकुम में "आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधियाँ एंव सगंध पौधों का उत्पादन एंव प्रसंस्करण" विषयक एक त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड एंव इसके सीमावर्ती क्षेत्रों के किसानों, उद्यमियों, विद्यार्थियों, अनुसधांनकर्ताओं एंव भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान के कुछ वैज्ञानिकों सहित कुल 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. निरंजन प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक एंव अध्यक्ष, लाख प्रसंस्करण एंव उत्पाद विकास विभाग ने प्रशिक्षण के लिये स्थानीय समन्वयक का कार्य किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह 28.02.2005 को मनाने की कड़ी में प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. सी.वी. रमण की प्रसिद्ध खोज "रमण प्रभाव" को यादगार बनाये रखने हेतु भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान, नामकुम ने दिनांक 26-02-2005 को "खुला दिवस" का आयोजन किया। आमंत्रित किये जाने पर राँची के कई विद्यालयों / महाविद्यालयों से 450 विद्यार्थियों ने संस्थान का भ्रमण किया । उन्हें संग्रहालय दिखाया गया एंव प्रौद्योगिकी फार्म क्षेत्र में लाख कीट, परिपालक पौधों, लाख की खेती और उसके उपयोग से परिचित करवाया गया। इस अवसर पर लाख पर बनी फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। लाख की पुस्तकें,फोल्डर इत्यादि वितरित किये गये तथा समूल्य प्रकाशनों की स्थल पर लगाए गए स्टॉल से बिक्री की गई ।

Students observing lac insect colonies

दिनांक 28-02-2005 को संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुये डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक, भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान ने कहा कि न केवल प्राचीन काल में बल्कि वर्तमान में भी भारत विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता का केन्द्र है। उन्होंने संबंधित क्षेत्रो के अग्रणी व्यक्तियों को उचित सम्मान देने की आवश्यकता पर बल दिया ।

डॉ. कन्हैया प्रसाद साव, प्रधान वैज्ञानिक ने 1895-1905 के सुनहरे दशक मे किये गए अनुसंधान / उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया तथा 2005 को विश्व भौतिकी वर्ष के रूप में मनाने के कारण बताए।

Participation in Inter-Institutional Sports Meet

The Institute participated in the ICAR Inter-Institutional Tournament Zone-III, hosted by Central Research Institute for Jute and Allied Fibres (CRIJAF), Barakpore and held at Yuva Bharati Krirangan, Salt Lake, Kolkata w.e.f.14th-18th January, 2005. Smt Smita Jain won the Women's Chess finals while Smt. Sushanti Prasad was declared runners up in Javelin throw (Women). In the atheletic events for men Shri R.C. Mandap won the 2nd and 3rd position in 1500 m and 200 m races respectively, while Shr B. Oraon and Shri C. Kachhap won the 2nd position in the events of High jump and cycle race (500m) respectively. The Institute team was placed in 3rd position in the 4x100 m relay race for men. Dr A. Bhattacharya, Pr. Scientist and Shri K.K. Prasad, T.O. accompanied the team as Chief-de-Mission and Manager respectively.

Training Organized

Central Institue of Medicinal and Aromatic Plants (CIMAP), Lucknow organized at ILRI, Namkum, a three day training programme on production and processing of economically important medicina l and aromatic plants w.e.f. 18-20 Jan., 2005. The training programme was attended by 45 participants of Jharkhand and adjoining areas comprising of farmers, industrialists, students, research scholars and some scientists of ILRI. Dr N. Prasad, PS & Head, LPPD acted as local Coordinatior for the training.

National Science Day

Indian Lac Research Institute, Namkum, Ranchi observed Open Day on 26.2.2005 to commemorate the renowned scientist Dr CV Raman's famous invention "Raman's Effect" as a part of National Science Day celebrations on 28.2.2005. In response to the invitation, 450 students of several schools/colleges of Ranchi, visited the Institute. They were shown around the museum and experimental farm area and acquinted with the lac insects, host plants/ trees, cultivation of lac and its uses. On this occasion, the film made on lac was also screened for the students. Booklets, folders on lac published by the Institute were distributed and priced publications were sold from the stall put up on the occasion.

Chairing the seminar organised on 28.2.2005, Dr Bangali Baboo, Director, ILRI said that not only in the ancient days but presently also, India is the centre of excellence in several fields. He expressed the need to felicitate leaders in respective fields to inspire the coming generation.

Dr KP Sao, Pr. Sc. gave a brief account of the researches / inventions made during the golden decade 1895-1905 and observance of 2005 as World Year of Physics. Dr DN Goswami, Pr. Sc. expressed need to spread

डॉ. दीपेन्द्र नाथ गोस्वामी, प्रधान वैज्ञानिक ने भौतिकी एंव 1905 में प्रकाशित आईन्स्टीन के अविस्मरणीय लेख के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। डॉ निरंजन प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक एंव अध्यक्ष ला.प्र. एंव उ.वि. विभाग ने दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग एंव भूमिका की चर्चा की । डॉ. रंगनाथन रमणि,प्रधान वैज्ञानिक एंव अध्यक्ष प्रौ.ह. विभाग तथा डॉ. संजय श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का आयोजन / संचालन डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।

एल्यूरिटीक अम्ल का प्लांट

चपड़े का एक घटक, एल्यूरिटीक अम्ल एक मूल्य वर्द्धित उत्पाद है तथा सौन्दर्य प्रसाधन के रसायनों एंव जैव सक्रिय यौगिकों के संश्लेषण के लिए उपयोगी है। पूरे विश्व में इसकी लगातार मांग को ध्यान में रखते हुए एक युवा व्यवसायी श्री विवेक कटारूका ने पुरूलिया (पं.ब.) में एल्यूरिटीक अम्ल के एक प्लांट केमसेल इन्टरप्राइसेस की स्थापना की है । इस प्लांट का उद्घाटन 25 जनवरी 2005 को हुआ । आशा है कि इससे एल्यूरिटीक अम्ल के निर्यात को और भी बढ़ावा मिलेगा ।

awareness about physics and legendary article of Einstein published in 1905, inventions made during last century and achievements of Indian Scientists. Dr N. prasad, Head, LPPD Division told about the role and uses of Science in our daily life. Dr R. Ramani, Pr. Sc. & Head, TOT and Dr S. Srivastava, Sc. also spoke on this occasion. Dr KP Sao extended vote of thanks. The programme was conducted by Dr KK Sharma, Sr. Sc.

Aleuritic acid Plant

Aleuritic acid, a constituent of shellac is a value-added product useful for the synthesis of perfumery chemicals and bioactive compounds. In view of substantial overseas demand for this raw material, a young entrepreneur Mr Vivek Kataruka has setup a new aleuritic acid plant, Chemshel Enterprises at Purulia (WB). The plant was inaugurated on 25 January 2005. It is hoped that this will stimulate further growth in the aleuritic acid exports from the country.

दूरदर्शन / आकाशवाणी वार्ता

संस्थान ने लाख पर आधारित 13 कड़ियों का कार्यक्रम **''लाखों का लाख''** प्रायोजित किया है जिसके अन्तर्गत लाख की खेती, प्रसंस्करण तथा उपयोग के विभिन्न पहलुओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आकाशवाणी, राँची ने विषय विशेषज्ञो की निम्नलिखित वार्तायें प्रसारित की हैं:

* नियमित और अधिक लाह उत्पादन के लिए विभिन्न पोषक वृक्षों का समन्वय, डॉ. बी.पी. सिंह, प्र.वै द्वारा 7.1.05 को
* कुसमी लाख उत्पादन का वैज्ञानिक तरीका, डॉ के.के. शर्मा, व.वै. द्वारा 14.1.05 को
* बेर वृक्ष से कुसमी लाख उत्पादन का उन्नत तरीका, डॉ ए.के जायसवाल, व.वै. द्वारा 21.1.05 को
* बीहन लाख का संरक्षण एवं रख-रखाव, श्री एम. एल. भगत, वै. (च.श्र.) द्वारा 28.1.05 को
* बागान लगाकर छोटे पौधों पर लाख की खेती डॉ एस. के. यादव, वै. (व.वे) द्वारा 4.2.05 को
* लाख आधारित कुटीर उद्योग विपणन व्यवस्था और सरकार की भूमिका, डॉ. एन. प्रसाद, प्र.वै. द्वारा 11.2.05 को

संकलन, सम्पादन एंव निर्माण
डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. रंगनाथन रमणि, प्रधान वैज्ञानिक
तकनीकी सहयोग
श्री प. अ. अंसारी
श्री एल. सी. एन. शाहदेव
हिन्दी सम्पादन
डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक
हिन्दी अनुवाद
डॉ. अजेश कुमार
श्री लक्ष्मी कान्त
छाया चित्र
श्री रमेश प्रसाद श्रीवास्तव
प्रकाशक
डॉ. बंगाली बाबू
निदेशक
भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान
नामकुम, राँची (झारखण्ड) 834010
दूरभाष 0651-2260117, 2261156 (निदेशक)
फैक्स 0651-2260202
E-mail : ilri@sancharnet.in, lac@ilri.ernet.in
हमसे सम्पर्क करें : www.icar.org.in/ilri

TV / RADIO TALKS

The following Radio Talks were delivered by Subject Matter Specialists and broadcast by AIR, Ranchi under the programme, 'Lakhon Ka Lakh' sponsored by the Institute wherein 13 episodes on different aspects of lac cultivation, processing and utilization have been included to promote lac.

* *'Niyamit aur adhik lah utpadan ke liye vibhinna poshak vrikshon ka samanyya'* by Dr BP Singh,PS on 7-1-05
* *'Kusumi Lakh utpadan ka vaigyanik tareeka'* by Dr KK Sharma, Sr. Sc. on 14-1-05
* *'Ber Vriksha se kusmi lakh, utpadan ka unnat tareeka'* by Dr AK Jaiswal, Sr. Sc. on 2-1-05
* *'Bihan Lakh ka, sarankshan awam rakh rakhav'* by Sri ML Bhagat, Sc. (SG) on 28-1-05
* *'Baagan laga kar chhote podhon par lakh ki kheti'* by Dr SK Yadav, Sc. (SS) on 4-2-05
* *'Lakh adharit kutir udhyog vipanan uyavastha aur sarkar ki bhumika'* by Dr N Prasad, PS on 11-2-05

Compiled, Edited and Produced by
KK Sharma, Sr. Sc.
R Ramani, Pr. Sc.
Technical Assistance
PA Ansari
LCN Shahdeo
Hindi Editing
KK Sharma , Sr. Sc.
Translation
Anjesh Kumar
Lakshmi Kant
Photo
R.P. Srivastava
Published by
Dr. Bangali Baboo
Director
Indian Lac Research Institute
Namkum, Ranchi-834010, Jharkhand
Phone : 0651-2260117, 2261156(Director)
Fax : 0651-2260202
E-mail : ilri@sancharnet.in, lac@ilri.ernet.in
Visit us at : www.icar.org.in/ilri

मुद्रक : नेशनल प्रिंटर्स, नामकुम राँची-2261902/2261